कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 0053737

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(प

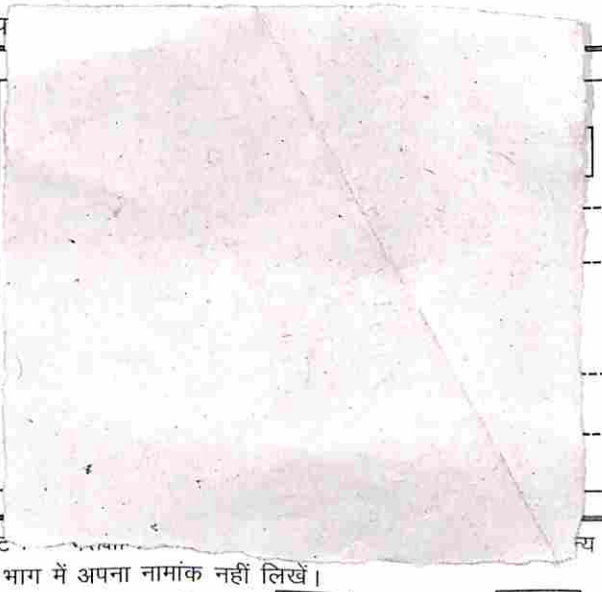

नोट ... न्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☑ अंग्रेजी ☐

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 25/04/22

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80/80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 464118

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 169/2021

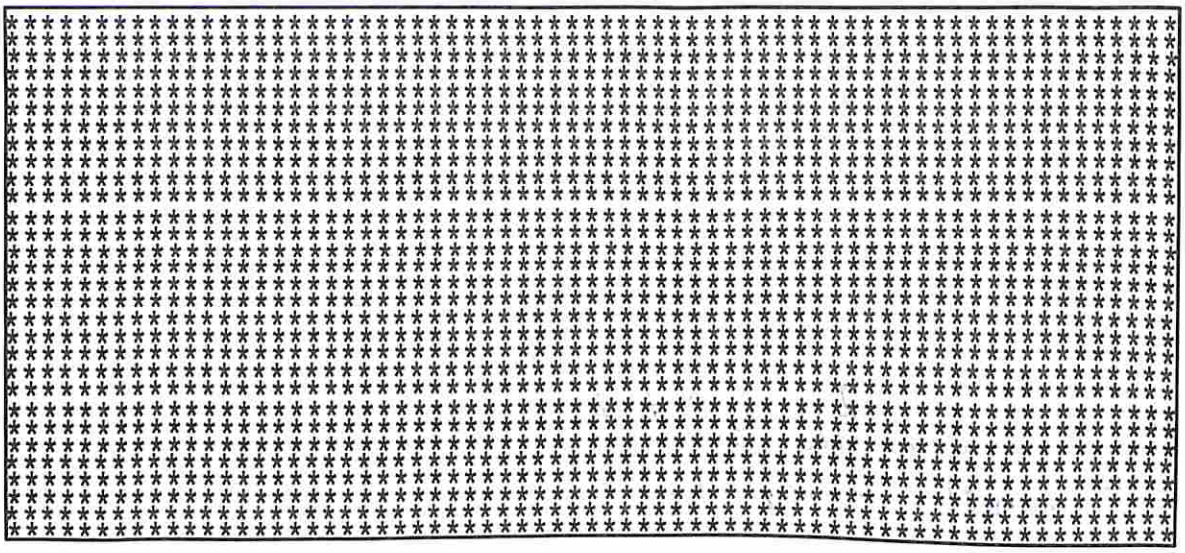

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र.1	
	(1) उ	[ब]
	(2) उ	[द]
	(3) उ	[अ]
	(4) उ	[स]
	(5) उ	[अ]
	(6) उ	[अ]
	(7) उ	[ब]
	(8) उ	[न]
	(9) उ	[अ]
	(10) उ	[न]

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(11) उ	[द]
	12 उ	[द]
12		
	प्र. 2 (1) उ	वस्तु , शक्ति , स्थान
	(2) उ	निश्चित है
	(3) उ	चार प्रकार
	(4) उ	परिवर्तन विकार परिवर्तन
	(5) उ	22
6	(6)	क्रित प्रत्यय
	प्र. 3 (1)	सन्धि :- वर्णों के परस्पर मेल को सन्धी कहते है।

BSEB-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		स्वर संधि के भेद
	(i)	गुण सन्धि
	(ii)	वृद्धि सन्धि
	(iii)	यण सन्धि
	(iv)	अयादि सन्धि
	(v)	दीर्घ सन्धि
	(2) 3	कर्मधारय ÷ जिस समास पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य इनके बिना उपमेय तथा उपमान उपमान और उसे कर्मधारय समास कहते है। बहुव्रीहि समास ÷ जिस समास शब्द मे पहला तथा दूसरा दोनो पद प्रधान न होकर इन से निकलने वाला शब्द प्रधान होता है। उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं
	(3) 3	अत्यधिक मुसिबत आना जाना।
	(4) 3	अपनों को लाभ पहुंचाना
	(5) 3	नेताजी का चश्मा पाठ सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ती पर चश्मा लगाने वाले कैप्टन के योगदान को दर्शाता है। तथा देश के करोड़ो लोगो का योगदान है

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(6) उ	मन्नु भंडारी के पिताजी सबसे बड़ी दुर्बलता थी वह शक्की व बहुत क्रोधी स्वभाव के व्यक्ति थे।
	(7) उ	नौबतखाने मे इबादत' यतीन्द्र मिश्र द्वारा रचित इसमे कुछ सुषिर वाद्य बिसमिल्ला खाँ बारे मे बताया गया है।
	(8) उ	उधौ तुम हो अति बड़भागी गोपीया उद्धव को बहुत ही भाग्यशालि समझ रही क्यो वह प्रेम के बारमे कुछ भी नही जानते है।
	(9) उ	प्रभु परशुराम जी का गुस्सा जब श्री राम जी वीरल तथा स्वामी सविनिय पुर्वक नम्र से बात करते तब परशुराम जी गुस्सा शान्त हो जाता है।
	(10) उ	'आत्म कथ्य' कविता मे जय शंकर प्रसाद की अभिव्यक्ति है। जिसमे स्वय के बारे व्यतीत जीवन बताया
	(11) उ	माता का आँचल पाठ मे शिवपुजन सहाय तथा अपनि माता और पीता तथा अपने मित्र का विवरण किया गया है।

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(12) उ	गुमथांग - हमारे भारत के राज्य सिक्किम की राजधानी गंगटोक मे गुमथांग शहर स्थित है। गुमथांग - मार्ग स्थीया है जो की हिमालय मे
	प्र. 4 उ	हालदार साहब हर रोज वहा पर आते तथा सुभाषचन्द्र बॉस की मूर्ति पर रोज अलग - अलग चश्मा को देख कर हालदार साहब ने पान वाले को पुछा कि यह कैप्टन कौन तो पान वाले पान खाया और पिछे मुड कर थूक डाल कर कहा की यह एक कैप्टन जो की लगड़ा है।
	प्र. 5	बालगोबिन भगत गृहस्थी जीवन जीते थे वह ज्यादा कपडे नही पहनते थे तथा ठन्ड आने पर खाली एक काली कमली ओड लेते थे और वह कबीर जी को गुरु मानते थे तथा स्वयं को भगवान की देन मानते थे वह भजन - किर्तन करते थे।
	प्र. 6	नवाब साहब का मानना था की मे खिरा खाने के बाद पेट खराब हो जायगा तथा पेट मे दर्द होगा यह सोच कर खिरे को केवल सुंघ कर ही फेक दिया।
	प्र. 7	काशी मे मरन भी मंगल इसीलिए लिये माना जाता की काशी एक भगवान की नगरी यहा पर राममन्दिर कुछ्मन्दिर आदि बने हुवे यहा मरने वाले लोग इसली भगत मानते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 8 गोपियो ने श्री कृष्ण को प्रेम किया तथा श्री कृष्ण इनको छोड़ कर मथुरा चले गये और वहा के राजा बन गये और गोपियो को योग सन्देश भिजवाने के कारण गोपियो ने राजधर्म कहा था।
5

प्र. 9 क्रिया :-
किसी कार्य का होना तथा पाया जाना क्रिया कहलाती है
* कर्म के आधार क्रीया दो भेद है
~~क्रिया कर्म~~ अकर्मक क्रिया
(1) सकर्मक क्रिया
(1) अकर्मक :-
(1) जिस क्रिया मे प्रत्यक्ष रूप से कार्य मौजुद नही होता उसे अकर्मक क्रिया कहते
जैसे, बह जाता है
वह खाता है
सकर्मक क्रिया :-
(11) जिस क्रिया मे प्रत्यक्ष रूप से कर्म मौजुद रहता है उसे सकर्मक क्रिया कहते है
जैसे = वह स्कुल जाता है
वह पानी पीता है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र.10	माँ अपनी अन्तीम पुंजी कन्या को दान देते समय सिख देती है की बेटी तु ससुराल अपने पिती पली के यहा लड़की जैसी दिखना परन्तु कहा की लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना क्यो की तेरे पर अतिशोषण करे और तु वही रहे सहनील तथा स्वाभिव बन कर रहना।
	प्र.11	उत्साह कविता के माध्यम से कवि ने बादल को सम्बोधित करते हुये कहा की नवजीवन दिनावा है क्रिलिया के रूप गर्जना आदि कहा लिख दी गई है
	प्र.12	ग्रामीण क्षेत्र मे बच्चो के खेल लुका छिपी तथा हाथो निर्मित वस्तु की गुड़ीया बनाकर खेलना और गिली डण्डा खेलना और चिड़या उड़ उड़ाना तथा कबड्डी खेल खेना लाडी तथा लाडे की शादी करना आदि खेल खेले जाते थे।
	प्र.13	जार्ज पंचम की नाक पाठ मे बता जुडे लोगो ने बताया की इग्लेण्ड की रानी एलेजाबेथ आने वाली थी तथा यहा की मुर्ती पर नाक नही था उसती वहा सभा राजनेता ने लोगा की इन हमारी भारत देश की इज्जत जायेगी ऐसा बोल कर रहे है

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र.14	यह नन्दी हमारे भारत उपा हिमालय मे स्थित है भारत के गंगटोक मे बहती है इस नदी वहा के लोग को पानी मे भी उपलब्धी होती है
	प्र.15	यतीन्द्र मिश्र का जन्म 1899 मे हुआ तथा उत्तरप्रदेश के वाराणसीय मे हुआ था तथा इनके पीता जी का दुकान का व्यापार करते था इनकी मृत्यु : 1961 होगई थी।
	प्र.16	तुलसीदास जी का जन्म. 1532 मे हुआ की मध्य प्रदेश के बान्दा जिले के राजापुर गांव हुआ था इनकी माता का नाम हुलसी बाई तथा पीता का आत्माराम दुबे था और तथा इनकी माता पीता की देहान्त बचपन मे होने के कारण इनका बचपन कठिनायो से गुजरा था. तथा 1623 मे इनकी मृत्यु होगई थी।
	प्र.17	~~यह पथाश स्वप्रकाश के~~ प्रसंग : यह मुधाश स्वप्रकाश द्वारा रचित नेताजी का चश्मा पाठ से लिया गया है नेताजी इसमे हवालदार साब कहते है की क्या होगा हमारे देश का जो की शहीद हुवे इनका सम्मान नही करते है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या :-

कवि कहता है की बार-बार मै सोचता की क्या होगा उस कौम को जो अपने देश के खातिर घर जीवन सब कुछ जो अपने देश के प्रति न्योछावर कर देते है आज के लोग उनके ऊपर भी हसते है और वह वतन का न सोच कर के बेचा जाते है तथा फिर हवालदार साहब पन्द्रह दीन बाद वहा करबे गये तथा जाने से पहले ही सोच लिया था के कैप्टन की मृत्यु के बाद सुभाषचन्द्र बोस की भी मुर्ती पर चश्मा कोन लगायेगा और चश्मा नही होगा क्यो की कैप्टन मर गया था और हवलदार साहब ने सोचा की वहा पर नही रुकेगे और पान भी नही खायेगे और मुर्ति की तरफ देखेगी भी नही और सीधे निकल जाएगे।

BSER-169/2021

प्र.18 प्रसंग :-

प्रस्तुत पद्यांश 'सूरदास' द्वारा रचित हमारी पाठ्यपुस्तक हिन्दी के क्षितिज से लिया गया इस पद्य मे गोपिया उद्धव को बता रही है की हम श्री कृष्ण से कितना प्रेम करती जो स्वयं को भी हारिल पक्षी के समान बताया है

व्याख्या :-

गोपिया उद्धव को कहती है की हे उद्धव हम स्वयं को हारिल पक्षी समान बताते हुवे कहती की जैसे हारिल पक्षी अपने पैरो मे हमेशा ही लकडी रखता उसी प्रकार हमने भी श्री कृष्ण को अपने मन मे रखा है और हमारे मन, तन मे हमेशा नंद का पुत्र नंदलाला की याद करते है और हर रोज जागते है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		ऐसे बोलते सभी दिन-रात आपकी ही रट लगा के बैठे है। और जो योग सन्देश लिये भिजवाया है उसको सुनकर हमे ऐसा लगता है मानो हमने कोई कड़वी ककड़ी खाती हो और हमने से योग-सन्देश को नही सुनाया तथा नह देखा तथा गोपिया कहती है की वे योग सन्देश उन्हें सुनाये जिनका मन चकरी हो तथा चंचल हो।
	प्र. 19	बाल गोबिन भगत अपनी पतोहू को अपने भाई के साथ उसके घर भेजना चाहता था क्योंकि उसके बेटे की मृत्यु के बाद वह जिसके साथ रहेगी परन्तु बालगोबिन भगत की पुत्र वधु यह सोच कर नही जाना चाहती क्यो बालगोबिन बहुत बूढ़े होगई है उनकी देख भाल कौन करेगा यह सोच कर वह नही जाना चाहती परन्तु वह कहता है अगर तु नही जाएगी तो मै घर छोड़ कर चला जाऊंगा।
	प्र. 20	यह 'दंतुरित मुसकान' मे नागार्जुन बहुत बार कुछ भ्रमण के बाद घर आते तथा अपने पुत्र की दन्तुरीत मुसकान को देख कहते है की आपकी मुसकान को मै बहुत ही थका हुआ था उसकान को देखकर भूल गई मौ ते आपके छोटे-छोटे परन्तु रहाल मुस्कुराहट को तो मनमोहक तथा भाषो जो आपको

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सुरेश सो वह क्रोधित होगा तो भी मुस्कुराने लग जाएगा।

सेवा मे,

श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय
श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
अर्जुन नगर

विषय :- पुस्तके मंगवाने हेतु।

महोदय,

सविनय नम्र निवेदन इस प्रकार है की मैं आपकी विद्यालय मे कक्षा दसवी का छात्र हु है हमारी विद्यालय मे पुस्तकालय पर्याप्त पुस्तके न होने के कारण हमारी पढाई मे बाधा आ रही तथा नियमित पढाई नही हो रही और जो पुरानी किताबे थी वो कहा पता नही है

अतः श्रीमान जी निवेदन है कि जल्द ही हमारी पुस्तकालय मे बालोपयोगी पुस्तके मंगवाने का कष्ट करे हम आपके आभारी रहेंगे।

आपका - आज्ञाकारी
शिष्य :- सुरेश

4

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 23

[नव सृजन]

जल्दी आवे जल्दी आवे

जबरजस्त माल सस्ता माल

बिकाऊ है बिकाऊ है

यहा पर अच्छी से !

अच्छी कुर्ती मिलती है।

[भाव = 150 रुपये है]

जल्दी आवे तथा कम दाम मे ले जावे।

सम्पर्क करे = 00000000.

4

प्र021

वैश्विक महामारी कोरोना

(i) कोरोना क्या है ? :-

कोरोना एक वायरस है जो की एक फ्लु जैसी संक्रमण रोग जो की सम्पर्क मे आने से होती है राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्था विज्ञानीको इसका नाम कोविड - 19 रखता जो की को - कोराना वायरस डि = बीमारी है तथा वी - की ये करोना सर्व प्रथम 19 - नवम्बर - वर्षो 2019 मे अन्तीम महीनो हुआ ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

महामारी का फैलाव :-

(ii) कोरोना वायरस सम्पर्क आने से होने वाली बीमारी है जो पहली बार चीन में वुहान शहर में से धीरे-धीरे पूरे भारत में फैल गया तथा कुछ ही समय में पूरे विश्व को शिकार बनादिया और इसकी फैलाव सार्वजनिक स्थान पर देखा गया था।

(iii) महामारी की भयावहता :-

महामारी के कारण पूरे देश में 'लॉकडाउन' लगाई और हमारी मार्केट भी पूरी बन्द कर दी गई तथा सब सार्वजनिक स्थल सब बन्द और इस बहुत से लोगो की आजीविका खत्म होगई तथा बहुत से लोग बेरोजगार हो गये इस कोरोना वायरस 2 वर्ष चला जिसमें सब लोग घर ही रहने के कारण ज्यादा गरीब होगये थे।

(iv) बीमारी से बचने उपाय :-

इस बीमारी का उपाय था सिर्फ दूर-दूर रहना तथा इस बीमारी पर कोई दवायों का असर नही हो रहा था। और इसमें हमेशा हाथ साबुन से धोना तथा और हमेशा मास्क का उपयोग करना और हाथ को नाक, मुंह पर नही लगाना तथा तथा पानी को छान कर पीना तथा हमेशा हाथ को सेनेटाइजर तथा साबुन धोना था कई दूर जैसे हमको हॉस्पीटल जाने के बाद मास्क पहना था आदि से बचा सकते है।

4

(v) उपसंहार :-

इस बीमारी से बचने के लिए हमारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन के वैज्ञानिक ने कोरोना डोज का उपयोग करके तथा टीका लगाकर बचाया था।

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		समाप्त

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

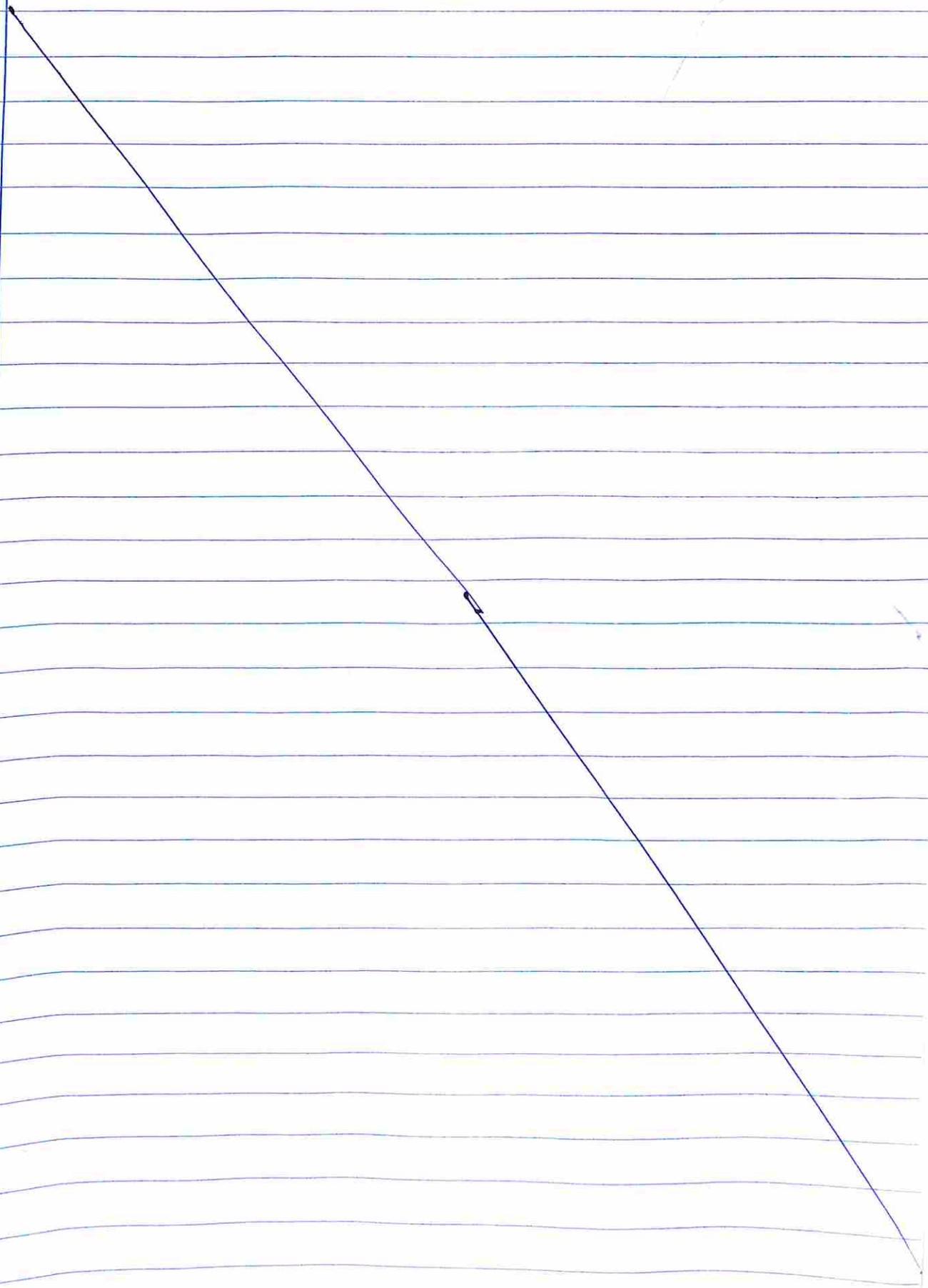

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021